झारखÖडगज

ट

असाधारण अंक

झारखÖड सरकार

Ţारा Ĥकािशत

4 ÏयेZ,

1938 (श०)संÉ या366 राँची,बुधवार,

25 मई, 2016 (ई०)

ǒविध

(ǒवधान)

ǒवभाग

अिधसूचना

25 मई, 2016

संÉया-एल०जी०-12/2016-103/लेज०--झारखÖड ǒवधान मंडल कािनàनिलǔखत अिधनियम, ǔजस पर राÏयपाल Ǒदनांक-**11 मई, 2016**को अनुमित दे चुके ह¢, इसके Ţारा सव[साधारण कà सूचना के िलये Ĥकािशत Ǒकया जाता है।

झारखÖड राÏय उÍच िश¢ा पǐरषɮ अिधनियम, 2016

(झारखÖड अिधनियम-17,2016)

Ĥèतावना

राÏय के ǒवYǒवf़ालयɉ एवंअÛय उÍच तकनीकà िश¢ण संèथानɉ मΛ योजना एवं कायाÛवयन, अनुĮवण (Ĥबोधन) तथा मूãयांकन, गुणव×ता सुिनǔƳत करने, परामश[और िनिधकरण हेतु उपयुƠ Ĥावधान के िलए अिधनियम।

चूँǑक यह समयोिचत है Ǒक सरकार, ǒवYǒवf़ालयɉ, अकादिमयɉ और ǒवYǒवf़ालयɉके बीच सामूǑहक सहǑĐया×मक संबंध èथाǒपत करने हेतु सरकार और ǒवYǒवf़ालयɉ तथा ǒवYǒवf़ालयɉ एवं उÍच èतरȣय िनयामक संèथाओं के मÚय पǐरचालना×मक अंतराल के साथ (i)सरकार के नीित-िनमा[ण एवं सापे¢ योजनाओं मΛ अकादिमक उ×कृƴता और सामाǔजक Ûयाय को Ĥो×साǑहत करने, (ii)राÏय के सभी उÍच िश¢ण संèथानɉ के मÚय èवाय×तता, जवाबदेहȣ और समÛवयन को सुिनǔƳत करने, और (iii)राÏय कà

सामाǔजक-आिथ[क आवæयकताओं के अनुǾप उÍच िशƠा के मैğीपूण[ǒवकास को िनदȶिशत करने के उƧेæय से राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ कȧ èथापना कȧ जाय।

भारतीय गणराÏय के 67वɅ वष[मɅ झारखÖड राÏय के ǒवधानसभा Ʈारा यह िनàनिलǔखत Ǿप मɅ अिधिनयिमत हो:-

1. संǔƠƯ नाम, ǒवèतार और Ĥारंभ:-

i. यह अिधिनयम झारखÖड राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ अिधिनयम, 2016कहा जासकेगा।

ii. इसका ǒवèतार Ơेğ संपूण[झारखÖड राÏय होगा।

iii. यह राÏय के शासकȧय राजपğ मɅ अिधसूचना जारȣ होने कȧ ितिथ से Ĥभावीहोगा।

2. पǐरभाषा - अगर इस अिधिनयम के संदभ[मɅ अÛयथा अपेǔƠत/आवæयक हो:-

i. 'संबƨ संèथान' से आशय है वैसे संèथान जो अपने शासी िनकाय केƮारा संचािलत व िनयंǒğत हɇ।

ii. 'ए आई एस एच ई' से आशय है ऑलइंǑडया सवȶ ऑनहायर एजुकेशन (उÍच िशƠा से संबƨ अǔखल भारतीय सवȶƠण) जो भारत सरकार के मानव संसाधन ǒवकास मंğालय कȧ पहल पर कȧ गई है।

iii. 'शीष[िनयामक संèथान' का अथ[है िनयामक संèथाǔजसे संसद के अिधिनयम Ʈारा ǒविशƴ Ĥकृित कȧ संèथाओं के अिभशासन हेतु गǑठत Ǒकया गया हो।

iv. 'अÚयƠ' का आशय वह åयǒƠ है ǔजसे राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ के अिधिनयम के आधार पर िनयुƠ Ǒकया गया हो।

v. 'पǐरषɮ' से आशय है - राÏय कȧ ǒवधाियका Ʈारा गǑठतझारखÖड राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ।

vi. 'काय[पालक िनदेशक' यानी पǐरषɮ के सदèय सिचव, ǔजनकȧ िनयुǒƠ राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ अिधिनयम Ʈारा सुिनǔƱत Ĥावधानɉ के तहत हो।

vii. 'सरकार' का आशय है झारखÖड सरकार।

viii 'उÍच िशƠा' का अथ[है - åयवसाियक, तकनीकȧ या अÛय तरȣके से ǑडĒी या ǑडÜलोमा के Ǿप मɅ ǒवƭǒवƭालय के माग[दश[न मɅ ĤाƯ िशƠा।

झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016 3

ix. 'संèथान' यानी ऐसे संèथान, ǔजनके Ʈारा ǒविभÛन Ĥकार के पाɫयĐम अथवा ĤिशƠण काय[Đम Ĥèतुत/Ĥèताǒवत Ǒकये गये हɇ।

x. 'सदèय' से आशय राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ के सदèय ǔजनमɅ पǐरषɮ के अÚयƠ और उपाÚयƠ भी सǔàमिलत हƠ।

xi. एम0आइ0एस0(Ĥबंधन सूचना तंğ) से आशय है काय[Ơमता एवं Ĥभावी रणनीितक िनण[य लेने हेतु Ĥबंधन का सूचना तंğ।

xii. 'एन ए ए सी' से आशय है राƶीय मूãयांकन एवं Ĥ×यायन पǐरषɮ', ǔजसकȧ èथापना ǒविशƴ उÍच िशƠण संèथानɉ कȧ 'गुणवƣा ǔèथित' के Įेणी-िनधा[रण के िलए कȧ गयीहै।

xiii. 'िनजी ǒवƭǒवƭालय' से आशय है - राÏय के वैसे ǒवƭǒवƭालय, ǔजनकȧ èथापना "झारखÖड राÏय के िनजी ǒवƭǒवƭालयɉ कȧ èथापना और िनगमीकरण के िलए आदश[माग[दश[न" के अनुǾप हुई हो।

xiv. 'िनयमनɉ' का अथ[है वैसे िनयमन जो राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ Ʈारा बनाये गये हɇ।

xv. 'िनयम' का अथ[है वैसे िनयम जो राÏय उÍच िशƠा पǐरषɮ Ʈारा िनिम[त हɇ।

xvi. 'राÏय ǒवƭǒवƭालयɉ' से आशयहै - राÏय सरकार Ʈारा संचािलत, Ĥबंिधत और िनयंǒğत ǒवƭǒवƭालय।

xvii. 'पǐरिनयम', 'अÚयादेश', 'िनयमन' से आशय है ǒवƭǒवƭालय के वैसे पǐरिनयमɉ, अÚयादेशɉ और िनयमनɉ से जो Ǒकसी ǒवƭǒवƭालय से संबƨ अिधिनयम के अनुǾप जारȣ Ǒकये गये हɇ।

xviii. तकनीकå ǒवYǒवƨालय का अथ[वैसे ǒवYǒवƨालय से है, ǔजनकå èथापना तकनीकå िशǢा और ĤिशǢण,

अनुसंधान, नवाचार, साव[जिनक और िनजी ¢ेğ के परामशȾ, उƭमशीलता, सतत् िशǢा काय[Đमɉ, èवायƣ

महाǒवƭालयɉ/संèथानɉ और सàबƨ अंगीभूत एवं िनजी महाǒवƭालयɉ/संèथानɉ के माÚयम से समाज मɅ मूãय

िनमा[ण एवं सामाǔजक कãयाण के उƧेæय से कå गई हो।

xix. 'उपाÚय¢' यानी राÏय उÍच िशǢा पǐरषɮ अिधनियम के अनुसार िनयुƠ उपाÚय¢।

3. पǐरषɮ का संǒवधान:-

i. सरकार अिधसूचना के ɮवारा, उस ितिथ के Ĥभाव से जो इसमɅ उǔãलǔखत हो, पǐरषɮ संèथाǒपत करेगी, ǔजसे

झारखÖड राÏय उÍच िशǢा पǐरषɮ कहा जाएगा।

ii. पǐरषɮ एक ऐसी सǔàमलित िनकाय संèथा होगी जो सतत् पद-ĤािƯ अनुĐम और सामाÛय Ĥित£ा के तहत

तथाकिथत एक नाम के साथ संचािलत होगी ǔजससे वाद चलाने का अिधकार होगा और ǔजसपर वाद दायर Ǒकया जा सकेगा।

iii. Ĥावधानɉ के अनुǾप पǐरषɮ को चल और अचल सàपǒƣ Ēहण करने और उस पर आिधप×यरखने का अिधकार होगा और इस Ĥावधान के अंतग[त िनिम[त कानून के अनुǾप इसकå सàपǒƣ को हèतांतǐरत करने

या ठेके पर देने तथा ऐसाकोई भी काय[करने का अिधकार होगा जो इस अिधनियम के उƧेæय कå पूित[के

िलए आवæयक हो।

4 झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016

iv. पǐरषɮ का मुÉयालय राँची मɅ अवǔèथत होगा।

4. पǐरषɮ के उƣरदािय×व और काय[:-

i. पǐरषɮ के िनàनिलǔखत उƣरदािय×व एवं काय[हɉगे:-

(a) राÏय कå सरकार, सरकारɮवारा èथाǒपत ǒवYǒवƭालयɉ, िनजी ǒवYǒवƭालयɉएवं अÛय उÍच

िशǢणसंèथानɉ को सुझाव/परामश[देना;

(b) राÏय के अंतग[त उÍच िशǢा मɅ सरकार, सरकार ɮवारा èथाǒपत ǒवYǒवƭालयɉ, िनजी ǒवYǒवƭालयɉ

एवं शीष[िनयामक अिभकरणɉ कå भूिमकाओं केबीच सामंजèय èथाǒपत करना;

(c) अÛय उÍच िशǢण संèथानɉ कå èवायƣता को अ¢ुÖण रखते हुए उÛहɅ उÍचिशǢा कå सामाÛय

सुǒवधाएँ मुहैया कराना;

ii. उपयु[Ơ दािय×वɉ और कृ×यɉ के Ĥो×साहन के िलए पǐरषɮ को िनàनिलǔखत उƣरदािय×व लेने हɉगे:-

(a) सरकार के सुझाव या ǒवYǒवƭालयɉ एवं अÛय संèथानɉ के अनुरोध पर èवतःसं£ान लेकर

राÏय मɅ उÍच िशǢा के ǒवकास हेतु 'राÏय उÍच िशǢा योजना' (SHEP) ĤितपाǑदत एवं

Ĥèतुत करना;

(b) राïयकȧय संèथानɉ तथा संबƨ संèथानɉ को उनकȧ योजनाओं के Ĥितपादन कȧĤèतुित एवं

अमल के िलए यथेçट सहायता उपलÞध कराना;

(c) राïय उÍच िशΣा योजना (SHEP)के अमल कȧ ĤĐया का अनुĮवण ;

(d) िनयतकािलक सांÉयकȧ का राïय एवं संèथागत èतर पर एकğीकरण एवं उनका अनुरΣण ;

(e) Ĥबंधन सूचना तंğ(MIS)का सृजन एवं अनुरΣण ;

(f) राçĚीय èतर के उÍच िशΣा अिभकरणɉ (एजेंिसयɉ) ɮवारा ǒवकिसत मानदÖडɉ के आधार पर

संèथाओं का मूãयांकन करना ;

(g) पǐरवित[त हो रहे सामाǔजक पǐरǺæय एवं अकादिमक आवæयकताओं के अनुǾप पाɫयचया[

और पाɫयĐम मे सुधार हेतु सुझाव देना एवं उनकȧ गुणवƣा को बरकरार रखना ;

(h) परȣΣाओं कȧ गुणवƣा का सुिनǔƱयन और परȣΣाओं मे सुधार हेतु सुझाव देना ;

(i) शोध और िशΣा Ĥणािल (अिधगम ĤĐया) के बीच सामंजèय èथाǒपत करने हेतुआवæयक

कदम उठाना ;

(j) राïय के संèथानɉ कȧ èवायƣता को संरǔΣत करना और राïय के ǒवƳǒवɮयालयɉ के पǐरिनयमɉ, अÚयादेशɉ और िनयमनɉ का समय-समय पर पुनरȣΣण तथा िशΣा मे सामाǔजक

Ûयाय के उƧेæयɉ कȧ Ĥणािल एवं िशΣा मे अकादिमक उ×कृçटता के काया[Ûवयन हेतु समुिचत

सुधार के िलए सुझाव एवं ǒवƳǒवɮयालयɉ तथा अÛय उÍच िशΣण संèथानɉ को पǐरिनयमɉ,

अÚयादेशɉ एवंिनयमनɉ के िनमा[ण मे परामश[देना;

(k) उÍच िशΣा के नये संèथानɉ कȧ èथापना हेतु èवीकृित Ĥदान करना ;

(l) राçĚीय मूãयांकन एवं Ĥ×यायन पǐरषɮ से ǒवमश[कर Ĥ×यायन हेतु सुधार केउपाय सुझाना ;

(m) उÍच िशΣा मे रणनीितक िनवेश हेतु राïय सरकार को सलाह ;

(n) राïय के उÍच िशΣण संèथानɉ और देश के भीतर एवं बाहर के संèथानɉ के बीच अकादिमक

Ĥकृित से संबƨ कायɟ हेतु माग[दिश[का ǒवकिसत करना ;

(o) इस अिधिनयम के उƧेæय के अनुǾप िनिध का िनमा[ण एवं उपयोिगता हेतु Ĥèताव तैयार

करना ;

(p) सरकार अथवा सरकार ɮवारा अिधकृत Ǒकसी अिभकरण के ɮवारा Ĥदƣ अनुदान कȧ ǒवमुǒƠ

के िलए सामाÛय िनयमावली का ǒवकास तथा राïय उÍच िशΣायोजना (SHEP)के आधार पर

ǒवƳǒवɮयालयɉ एवं महाǒवɮयालयɉ को िनिध आवंǑटत करना ;

(q) उǑƧçट िनिध का राïय के ǒवƳǒवɮयालयɉ एवं अÛय उÍच िशΣण संèथानɉ को ससमय िनिध

अंतरण हेतु Ĥणाली ǒवकिसत करना ;

(r) उÍच िश¢ा मΛ नीित-िनधा[रण और उÛहΛ समुिचत सुसाÚय बनाने हेतु ǒवशेष£j तथा

èटेकहोãडर के åयापक संभाǒवत परामश[ĤाÜ करने के िलए ǒवचार-ǒवमश[, काय[शाला एवं

संगोǒƵयj का आयोजन करना ;

(s) अकादमी, उƭोग, कृǒष एवं ǒव£ान-¢ेğ के बीच पारèपǐरक तालमेल हेतु मंच उपलÞध कराना ;

(t) केÛġ तथा राÏय सरकार एवं भारत के केÛġ शािसत Ĥदेशj के राƶीय èतर कȧ शीष[िनयामक

संèथाओं के ɮवारा Ĥायोǔजत और उƫमित ǒविभÛन काय[ĐमJ का समÛवयन करना।

5. पǐरषɮ का गठन:-

पǐरषɮ िनàनिलǔखत सदèयj के योग से बनेगा, यथा -

i. अÚय¢

ii. उपाÚय¢

iii. राÏय पǐरयोजना िनदेशक (राƶीय उÍचतर िशक्षा अिभयान), जो पǐरषɮ के काय[कारȣ िनदेशक (सदèय

सिचव) हjगे।

iv. Ĥधान सिचव, उÍच एवं तकनीकȧ िशक्षा ǒवभाग

6 झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016

v. कुलािधपित ɮवारा पाँच वैसे सदèय मनोनीत Ǒकये जाएंगे ǔजनकȧ ǒवɮता अनुसरणीय हो, इनमΛ कला

एवं संèकृित, ǒव£ान एवं Ĥौƭोिगकȧ, नागǐरक समाज, उƭोग तथा åयावसाियक ¢ेğ के एक-एक

सदèय हjगे।

vi. सरकार ɮवारा पाँच वैसे सदèय मनोनीत Ǒकये जाएंगे ǔजनकȧ ǒवɮता अनुसरणीय हो, इनमΛ कला एवं

संèकृित, ǒव£ान एवं Ĥौƭोिगकȧ,नागǐरक समाज, उƭोग, åयावसाियक¢ेğ के एक-एक सदèय हjगे।

vii. राÏय ǒवƳǒवƭालयj के तीन कुलपित, कुलािधपित ɮवारा तीन वष[के िलएचĐानुĐमानुसार मनोनीत

Ǒकये जाएंगे।

viii. राÏय मΛ èथाǒपत िनजी ǒवƳǒवƭालय के एक कुलपित।

ix. राÏय मΛ èथाǒपत तकनीकȧ ǒवƳǒवƭालय के एक कुलपित।

x. èवायƣशासी महाǒवƭालयj के दो Ĥाचाय[, कुलािधपित ɮवारा दो वष[के िलए चĐानुĐमानुसार

मनोनीत हjगे।

xi. अनुसरणयोÊय ǒवɮतापूण[Éयाित के तीन सदèय पǐरषɮ ɮवारा सहयोǔजत Ǒकये जाएंगे।

xii. भारत सरकार के मानव संसाधन ǒवकास मंğालय ɮवारा एक Ĥितिनिध का मनोनयन Ǒकया जाएगा।

6. अÚय¢:-

i. अÚय¢ अिधमानतः Ĥभावी नेतृ×वकारȣगुणj से युƠ ĤितƵ अकादिमक या बौǒƨक Éयाित के हjगे।

ii. राॉय उ॓च िश¢ा पǐरषƧ ȫारा गǑठत तीन सदèयीय तलाश-सह-चयन सिमितȫाराĤाÜ अनुशंसा
व चयन के आधार पर मुÉयमंğी, ǒवधानसभा अÚय¢ और Ĥितप¢ केनेता से बनी सिमित अÚय¢
का चयन करेगी। पǐरषƧ Ĥामाǔणक अकादिमक/बौǒǕकÉयाित के दो सदèयɉ को मनोनीत करेगी
जबǑक सरकार एक åयǒƠ का तलाश-सह-चयन सिमित मΛ मनोनयन करेगी। सरकार ȫारा नामजद
Ĥितिनिध सिमित कȧ अÚय¢ता करेगा।

iii. अÚय¢ सरकार ȫारा िनयुƠ पǐरषƧ के पूण[कािलक पदािधकारȣ हɉगे।

iv. अÚय¢ का काय[काल ǒवèतार-रǑहत पाँच साल के िलए होगा अथवा वे 70वष[कȧ आयु को ĤाÜ कर
लΛ, इनमΛ से जो भीपहले हो।

v. अÚय¢ को उपǔèथत सदèयɉ के दो-ितहाई के èपƴ बहुमत के अǒवƳास Ĥèताव के ȫारा मतदान
से तथा तीन चैथाई सदèयɉ के कोरम के साथ पदमुƠ Ǒकया जा सकेगा।

vi. अÚय¢ को यह अिधकार होगा Ǒक वे पǐरषƧ के िलए Ǒकसी उपयुƠ मामले पर Ĥितवेदनकȧ मांग
कर सकते ह¢ और पǐरषƧ कȧ काय[Ĥणाली मΛ सुधार हेतु सुझाव दे सकते ह¢।

vii. अÚय¢ पǐरषƧ और काय[काǐरणी सिमित कȧ बैठकɉ कȧ अÚय¢ता करΛगे।

झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016 7

viii. अÚय¢ को देय वेतनमान एवं भƣे ǒवƳǒवƭालय के कुलपित के वेतनमान एवंभƣेके समतुãय हɉगे। यǑद वे सेवािनवृƣ åयǒƠ हɉगे तो उनके वेतन से पΛशन कȧ रािश घटा दȣ जाएगी।

7. उपाÚय¢:-

i. उपाÚय¢ ĮेƵ Ĥमाǔणत उ॓चमान अकादिमक Ĥशासक हɉगे। यǑद उपाÚय¢ गैरअकादिमकåयǒƠ हो,
तो उÛहΛ उƭोग आǑद ¢ेğ का पेशेवर होना चाǑहए, ǔजÛहΛअपनेकाय[¢ेğ का पया[Ü अनुभव हो
(िनदेशक के पद से नीचे का न हो)।

ii. सरकार उपाÚय¢ कȧ िनयुǒƠ तलाश सिमित (सच[किमटȣ) कȧ अनुशंसा पर करेगी। यह किमटȣ
पǐरषƧ के अÚय¢ (बतौर अÚय¢) और दो अÛय सदèयɉ के योग से गǑठत होगी, ǔजनमΛ से एक सदèय पǐरषƧ ȫारा मनोनीत होगा तो दूसरा सरकार के ȫारा।

iii. उपाÚय¢ का एक काय[काल ǒवèतार-रǑहत पाँच वषɟ का होगा अथवा वे 70वष[कȧ आयुके हो जाएँ।

iv. उपाÚय¢ को अÚय¢ अथवा पǐरषƧ कȧ अनुशंसा के ȫारा हटाया/पदमुƠ Ǒकया जा सकेगा।

v. उपाÚय¢ अÚय¢ कȧ अनुपǔèथित मΛ पǐरषƧ कȧ बैठकɉ कȧ अÚय¢ता करΛगे।

vi. उपाÚय¢ को देय वेतनमान एवं भƣे ǒवƳǒवƭालय Ĥोफेसर के समतुãय हɉगे। यǑद वे सेवािनवृत
åयǒƠ हɉगे तो उनके वेतन से पΛशन कȧ रािश घटा दȣ जाएगी।

8. काय[पालक िनदेशक:-

i. राƶीय उ॓चतर िश¢ा अिभयान के राॉय पǐरयोजना िनदेशक हȣ पǐरषƧ के पदेन काय[पालक िनदेशक हɉगे।

ii. काय[पालक िनदेशक पǐरषɮ के सदèय सिचव हɉगे और पǐरषɮ के कायɟ के संयोजन का दाǓय×व

वहन करɅगे।

iii. काय[पालक िनदेशक उन कृ×यɉ को भी सàपÛन करɅगे, जो समय-समय पर उÛहɅ आदेिशत Ǒकये जाएंगे।

9. पǐरषɮ के पदाͬधकारȣ:-

पǐरषɮ के िनàनिलǔखत पदाͬधकारȣ हɉगे, यथा:-

i. अÚय¢

ii. उपाÚय¢

iii. काय[पालक िनदेशक (सदèय सिचव)

iv. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ

v. ǒव×त पदाͬधकारȣ

8 झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016

10. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ:-

i. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ पǐरषɮ के पूण[कािलक पदाͬधकारȣ हɉगे और ये ǒवƳǒवɮयालय से ĤितिनयुƠ àयǒƠ हɉगे।

ii. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ Ǒकसी महाǒवɮयालय अथवा ǒवƳǒवɮयालय के èनातकोƣर ǒवभाग मɅ कम से कम 15वषɟ के िश¢ण अनुभव रखनेवाले हɉगे तथा उÛहɅ ǒवƳǒवɮयालय के Ĥशासिनक कायɟ का पाँच वषɟ का अनुभव भी होना चाǑहए।

iii. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ पǐरषɮ ɮवारा िनयुƠ Ǒकये जाएंगे।

iv. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ सामाÛय Ĥशासन के Ĥभारȣ हɉगे और अÚय¢ ɮवारा Ĥदƣ शǒƠयɉ व दाǓय×वɉ का िनçपादनकरɅगे।

v. Ĥशासिनक पदाͬधकारȣ अपने पैतृक ǒवƳǒवɮयालय से ĤाÜत होनेवाले वेतन तथा भƣɉ के अलावा ĤितिनयुǒƠ भƣा ĤािÜत के हकदार हɉगे।

11. ǒव×त पदाͬधकारȣ:-

i. ǒव×त पदाͬधकारȣ पǐरषɮ के पूण[कािलक अिधकारȣ हɉगɅ।

ii. ǒव×त पदाͬधकारȣ के िलए कम से कम 15वषɟका शै¢ǔणक अनुभव होगा तथा उनके िलएǒव×तीय Ĥशासन, लेखा, अंके¢ण और बजटȣय ĤǑĐया कȧ बेहतर जानकारȣअपेǔ¢त होगी।

iii. ǒव×त पदाͬधकारȣ कȧ िनयुǒƠ पǐरषɮ ɮवारा कȧ जाएगी।

iv. ǒव×त पदाͬधकारȣ लेखा ǒवभाग के Ĥभारȣ तथा पǐरषɮ के लेखा जोखा मɅ िनपुणता हेतु उƣरदायी हɉगे और वे अÚय¢ ɮवारा िनधा[ǐरत व Ĥदत शǒƠयɉ तथा दाǓय×वɉ कािनçपादन करɅगे।

v. ǒव×त पदाͬधकारȣ अपने पैतृक ǒवƳǒवɮयालय से ĤाÜत होनेवाले वेतन तथा भƣɉ के अलावा ĤितिनयुǒƠ भƣा पाने के हकदार होगɅ।

12. राÏय पǐरयोजना िनदेशालय:-

राÏय सरकार के ɮवारा राÏय पǐरयोजना िनदेशालय का गठन Ǒकया जायेगा:

i. गठन: राÏय पǐरयोजना िनदेशालय मɅ एक राÏयपǐरयोजना िनदेशक हɉगे तथा जैसाउपयुƠ हो, आवæयकतानुसार सहायक किम[यɉ के संयोग से िनदेशालय के Ĥभावी संचालन हेतु राÏय पǐरयोजना िनदेशालय का गठन Ǒकया जाएगा।

ii. काय[: राÏय पǐरयोजना िनदेशालय िनàनिलǔखत कायɟ का िनçपादन करेगा:-

- राÏय èतरȣय पǐरयोजना के ǑĐयाÛवयन का िनरȣ¢ण।
- सांǔÉयकȧ आंकड़ɉ तथा Ĥबंधन सूचना तंğ के Ĥितवेदन कȧ देख-रेख।

 आवæयकतानुसार पǐरयोजना अंके¢कɉ कȧ सेवा लेना।

13. तकनीकȧ सहायता समूहः-

i. राÏय उÍच िश¢ा पǐरषɮ ǒवशेष£ɉ से युƠ एक तकनीकȧ सहायता समूह कȧ िनयुǒƠ कर सकेगी।

ii. तकनीकȧ सहायता समूह के संघटन का िनण[य पǐरषɮ Ʈारा Ǒकयाजाएगा।

iii. तकनीकȧ सहायता समूह के काय[हɉगेः-

a) सूचना तथा कोष के Ĥवाह कȧ देखरेख,

b) सामाÛय Ĥबंधन सूचना तंğ कȧ ǐरपोट[आवæयकतानुसार तैयार करनातथा

c) पǐरषɮ को संचालन हेतु सहायता Ĥदान करना।

14. मनोनीतसदèयɉ के िलए शतɏ व बंधेजः-

i. मनोनीत व सामंǒजत सदèयɉ काकाय[काल सामाÛयतः छह वषɟ का होगा, परंतु इसके एक ितहाई
सदèय Ĥ×येक दो वष[के पƱात् आयु के आधार पर सेवािनवृत हो जाएंगे, और ǐरƠ पदɉ पर भतȸ
कुलािधपित Ʈारा कȧ जाएगी अगर िनवृƣ होने वाले सदèय कुलािधपित Ʈारा मनोनीत हɇ, और
अगर सरकार Ʈारा मनोनीत सदèय िनवृƣ हो रहे हɇ तो सरकार सदèयɉ कȧ िनयुǒƠ करेगी और यǑद
पǐरषɮ Ʈारा सहयोǒजत सदèय िनवृƣ हɉगे तो पǐरषɮ उनकȧ जगह पर नये सदèयɉ का सहयोजन
करेगी।

ii. Ǒकसी भी अवèथा मɅ पǐरषɮ के बीस सदèय राÏय के हɉगे तथा अÛय पाँच åयǒƠ राçट्रीयÉयाित के
हɉगे (राÏय के बाहर के)।

iii. मनोनीत और सहयोǒजत सदèय िलǒखत Ǿप मɅ पǐरषɮ के अÚय¢ को अपनी सदèयता से ×याग-पğ
दे सकते हɇ पर उनकȧ सदèयता तब बनी रहेगी जब तक Ǒक उनका इèतीफा पǐरषɮ के अÚय¢ Ʈारा
िलǒखत Ǿप से èवीकृत नहȣं Ǒकया जाता है।

iv. मनोनीत तथा सहयोǒजत सदèय िनधा[ǐरत दर पर याğा भƣा, दैिनक भƣा और बैठक शुãक के
हकदार हɉगे।

v. इस सेवा के अÛय शत[एवं बंधेज इस अनुÍछेद के Ĥावधानɉ के अनुसार िनधा[ǐरत हɉगे।

15. अयोÊयताः-

i. कोई भी åयǒƠ मनोनयन के योÊय नहȣं हɉगे अथवा पǐरषɮ कȧ सदèयता बनाये नहȣं रख सकɅगे, यǑद
उस समय वे -

(a) मानिसक Ǿप से अèवèथ हɉ;

(b) ऋण न चुकाने कȧ वजह से सजायाÝता हɉ;

(c) Ǒकसी फौजदारȣ अदालत Ʈारा Ǒकसी अपराध के िलए सĮम कारावास कȧ सजा पा चुके हɉ,
इसके साथ हȣ नैितक चǐरğहȣनता के दोषी पाये गये हɉ;

(d) Ĥ×य¢ अथवा अĤ×य¢ Øप से èवयं या उनके सहयोगी कȧ पǐरषɮ के Ǒकसी काम मɅ Ǒहèसेदारȣ अथवा èवाथ[िनǑहत हो अथवा पǐरषɮ कȧ ओर से जारȣ Ǒकसीसंǒवदा मɅ उनकȧ संिलÜता पायी जाय;

(e) कोई åयǒƠ Ǒकसी भी सरकारȣऔर ǒवÜǒवɮयालय कȧ सेवा से दुåय[वहारअथवा लापरवाहȣ कȧ वजह से हटाया गया हो;

ii. Ǒकसी भी ǒववाद या संदेह कȧ अवèथा मɅ Ǒक कोई åयǒƠ उप अनुÍछेद (i) के अधीन अयोÊय है तो उस मामले मɅ अÚय¢ का िनण[य अंितम होगा।

iii. इस अिधनियम के Ĥावधानɉ केअनुसार, कोई भी åयǒƠ जो ǒविध ɮवारा èथाǒपत Ǒकसी ǒवÜǒवɮयालय का èनातक न हो, पǐरषɮ कȧ सदèयता के िलए इस अिधनियम के अधीन मनोनयन का पाğ नहȣं होगा।

16. पǐरषɮ कȧ बैठक:-

i. पǐरषɮ कȧ बैठक िनयमावली मɅ वǔण[त Ĥावधानɉ के अनुØप िनǑद[ƴ समय एवं èथान पर होगी, ǑकÛतु तीन महȣने मɅ एक बैठक अवæय होगी।

ii. पǐरषɮ को समुिचत िनण[य लेने का अिधकार अगर पǐरषɮ कȧ बैठक मɅ Ǒकसी सदèयकȧ ǐरƠता का ǒवरोध करना पड़े अथवा गठन मɅ Ǒकसी Ĥकार कȧ ğुǑट हो और यह जानतेहुए भी पǐरषɮ कȧ काय[वाहȣ वैध होगी Ǒक पǐरषɮ कȧ काय[वाहȣ मɅ कोई åयǒƠ, जोसदèय होने का अिधकारȣ न हो और वह बैठक मɅ शािमल हो चुका हो या पǐरषɮ कȧकाय[वाहȣ मɅ भाग ले चुका हो।

iii. पǐरषɮ कȧ बैठक का संयोजन अÚय¢ के परामश[से काय[कारȣ िनदेशक ɮवारा Ǒकया जाएगा।

iv. पǐरषɮ कȧबैठक का कोरम इसके कुल सदèयɉ कȧ संÉया के एक ितहाई होगा औरउपǔèथत सदèयɉ के मतदान और सामाÛय बहुमत से िनण[य िलये जा सकɅगे।

17. पǐरषɮ के कमȸ:-

पǐरषɮ आवæयकतानुसार किम[यɉ कȧ िनयुǒƠ करेगा ǔजससे Ǒक उसके कायɟ का संचालन सुचाØ ढंग से हो सके। पǐरषɮ के किम[यɉ कȧ सेवा शत[एवं बंधेज ǒविनयमɉ के तहत िनधा[ǐरत हɉगे।

18. पǐरषɮ कȧ िनिध:-

i. पǐरषɮ कȧ िनिध मɅ वो सभी धनरािशयाँ हɉगी जो समय-समय पर सरकार ɮवारा Ĥदƣहɉ और अÛय ĤािÜयाँ जो केÛġ सरकार अथवा Ǒकसी अÛय Ĥािधकार, संèथान याåयǒƠ ɮवारा दȣ गयी हो।

ii. Ĥ×येक ǒवƣीय वष[मɅ सरकार पǐरषɮ को उतनी धनरािश उपलÞध कर सकती है जो इसके सफल संचालन और ǔजàमेवाǐरयɉ एवं कत[åयɉके िनव[हन के िलए जØरȣ हो।

iii. इस अिधनियम के उƧेæयɉ कȧ पूित[के िलए Ǒकये गये सारे åयय िनिधकȧ रािश सेचुकायेजाएंगे और यǑद कोई अितǐरƠ रािश åयय के बाद बची हो तो वǔण[त Ĥावधानɉ के अनुसार उसे िनवेिशत Ǒकया जाएगा।

19. वाǒष[क लेखा और अंके¢ण:-

i. पǐरषɮ कȧ लेखा ǒववरणी िनधा[ǐरत मानदÖडɉ व Ĥावधानɉ के अनुØप संचािलत कȧ जाएगी।

ii. पǐरषɮवाǒष[क लेखा का ǒववरण िनधा[ǐरत èवØप और तरȣके से िनयमानुसार तैयार करेगी।

iii. पǐरषɮ के लेखा का अंके¢ण वष[मɅ एक बार सरकार कȧ ओर से िनयुƠ अथवा ĤितनियुƠ अंके¢क ɮवारा कराया जाएगा।

iv. पǐरषɮ के काय[कारȣ िनदेशक वाǒष[क अंके¢ण Ĥितवेदन मुǑġत Øप मɅ तैयार करɅगे और उस Ĥितवेदन को पǐरषɮ के सम¢ अगली बैठक मɅ ǒवचाराथ[Ĥèतुत करɅगे।

v. पĭरषĢ अंकेĕण Ĥितवेदन मΛ दशा[यी गयी Ǒकसी भी ğुǑट अथवा अिनयिमतता को दूर करने हेतु
समुिचत काय[वाहȣ करेगी।

vi. अंकेĕक अपने अंकेĕण Ĥितवेदन को पĭरषĢ कȧ ǑटÜपणी के साथ स×याǒपत करते हुएिनधा[ǐरत
समयाविध मΛ सरकार को अनुशंिसत करΛगे।

20. वाǒष[क Ĥितवेदन:-

इस अिधिनयम के अधीन पĭरषĢ Ĥितवष[अपनी वष[भर कȧ गितǒविधयɉ का Ĥितवेदन तैयार

करेगी तथा
सरकार को यह Ĥितवेदन सɋपेगी।

21. पĭरषĢ के सदèय व कम[चारȣ सरकारȣ सेवक हɉगे:-

पĭरषद के अÚयĕ, उपाÚयĕ, काय[कारȣ िनदेशक, सदèय, अिधकारȣ और कम[चारȣ इस अिधिनयम के Ʈारा जारȣ
Ǒकये गये Ǒकसी Ĥावधान अथवा िनयम अथवा ǒविनयम या आदेश या िनदȶश के अनुǾप काय[रत हɉगे, उनका
िनçपादन करΛगे तो भारतीय दÖड संǑहता (1860का केÛġȣय अिधिनयम XLV) के अनुÍछेद 21के आशयानुसार
सरकारȣ सेवक समझे जाएंगे अथवा सरकारȣ सेवक समझे जाने के दावेदार हɉगे।

22. ǒविनयम बनाने कȧ शǒƠ:-

पĭरषĢ सरकार Ʈारा अिĒम अनुमोदन ĤाƯ कर ǒविनयम बना सकेगी Ǒकंतुइस अिधिनयम के Ĥावधानɉ और
िनयमɉ अथवा इसके उƧेæयɉ को पूरा करने कȧ Ǻǒƴ से वह असंगत न हो।

23. िनयम बनाने कȧ शǒƠ:-

i. सरकार, अिधसूचना के Ʈारा इस अिधिनयम के संपूण[अथवा ǑकÛहȣं उƧेæयɉ कȧ पूित[के िलए िनयम
बना सकेगी।

ii. इस अिधिनयम केअंतग[त बनाए गए Ĥ×येक िनयम को यथाशीē राÏय कȧ ǒवधाियकाके समĕ Ĥèतुत Ǒकया जाएगा जब सğ का पूण[काल चौदहǑदनɉ कȧ कुल अविध का हो जो Ǒक एक सğ अथवा दो लगातार सğɉ मΛ हो, और अगर, इस सğ कȧ समािƯ के पहले ǔजसमΛ इसे पेश Ǒकया जाता
है याजो सğ ठȤक इसके बाद आता है, ǒवधानसभा कानून मΛ कोई संशोधन करती है या फैसला Ǒकया

जाता है Ǒक कानून नहȣं बनना चाǑहए तो वह (कानून)संशोिधत Ǿप मΛ हȣ Ĥभावी होगा अÛयथािनçĤभावी होगा जैसा मामला हो, हालांǑक इस तरह का कोई संशोधन या ǒवलोपन कानून के तहत Ǒकये गये काय[कȧ वैधता के Ĥित पूवा[Ēह से रǑहत होगा।

24. अड़चनɉ/बाधाओं को दूर करने कȧ शǒƠ:-

i. इस अÚयादेश के Ĥावधानɉ को ǑĐयाǔÛवत करने मΛ यǑद कोई बाधा उ×पÛन होती है तोसरकार आदेश के Ʈारा ǔèथित कȧ आवæयकतानुसार ऐसा कुछ भी नहȣं करेगीजो इस अिधिनयम के Ĥावधानɉ के अनुǾप नहȣं हो, और अड़चन को दूर करने के उƧेæय से आवæयक Ĥतीत होता हो।

ii. उप-अनुÍछेद (1) के अंतग[त िनग[त Ǒकये गये Ĥ×येक आदेश को इसे बन जाने के बाद यथाशीē ǒवधान सभा के समĕ Ĥèतुत Ǒकया जाएगा।

झारखÖड राÏयपाल के आदेश से,

Öदनेश कुमार िसंह,
Ĥधान िसचव-सह-
ǒविध परामशƴ
ǒविध (ǒवधान)
ǒवभाग, झारखÖड,
राँची।

अिधसूचना

25 मई, 2016

संÉया-एल0 जी0-12/2016-104/लेज--झारखÖड ǒवधान मंडल ɮवारा यथापाǐरत और राÏयपाल ɮवारा Öदनांक-**11 मई, 2016**को अनुमत **झारखÖड राÏय उÍच िशđा पǐरषɮ अिधिनयम, 2016**कािनàनांÖकत अंĒेजी अनुवाद झारखÖड राÏयपाल के Ĥािधकार से इसके ɮवारा Ĥकािशत Öकया जाता है, ǔजसे भारतीय संǒवधान के अनुÍछेद 348 के खÖड (3) केअधीन उƠ अिधिनयम का अंĒेजी भाषा मΛ Ĥािधकृत पाठ समझा जायेगा।

The Jharkhand State Higher Education Council Act, 2016

(Jharkhand Act-17,2016)

PREAMBLE

An Act to make suitable provisions for enforcing & planning, monitoring and evaluation, quality assurance, advisory and funding functions in Universities and other Technical Higher Educational institutions of the state.

Whereas it is expedient to establish a State Higher Education Council as a collective of Government, Universities, Academics and Experts in order to forge a synergetic relationship among them by occupying an operational space in between the Government and Universities and between Universities and apex level

regulatory bodies with the object of (i) promoting academic excellence and social justice by the Government in

policy formulation and perspective planning, (ii) ensuring the autonomy, accountability and coordination

among all institutions of higher education in the state, and (iii) guiding the harmonious growth of higher education in accordance with the socio-economic requirement of the state.

Be it enacted by the legislature of the State of Jharkhand in the Sixty Seventh Year of Republic of India as

follows.

1. Short title, extent, and commencement -

(i) This Act may be called the Jharkhand State Higher Education Council Act, 2016.

(ii) It shall extend to the whole of the State of Jharkhand.

(iii) It shall come into force on such date the State Government may, by notification in the official

2. Definitions - In this Act unless the context otherwise required:-

(i) 'Council' means the Jharkhand State Higher Education Council established by State Legislature.

(ii) 'Higher Education' means education, whether professional, technical, or otherwise leading to the

obtaining of any degree or diploma from the University.

(iii) 'State Universities' means the Universities run, managed and controlled by the State Government.

(iv) 'Private Universities' means University in the state established according to the "Model Guidelines for the establishment and incorporation of Private Universities in the State of Jharkhand".

(v) 'Technical University' means University established with the objectives for value creation and

welfare in society through technical education and training, research, innovation, public and private

sector consultancy, entrepreneurship, continuing education programmes,' autonomous

Colleges/Institution and affiliating constituent and private Colleges/Institutions.

(vi) 'Affiliated Institutions' means the institutions which are run and controlled by their own Governing Bodies.

(vii) "Institution' means an institution with offers various kinds of courses or training programme.

(viii) 'Member' means a member of the State Higher Education Council and includes the Chairman and

Vice-Chairman.

(ix) "Chairman' means the Chairman of the Council appointed as per State Higher Education Council

Act.

(x) 'Vice-Chairman' means the Vice-Chairman of the Council appointed as per State Higher Education Council Act.

(xi) "Executive Director' means Member Secretary of the Council appointed under the provisions laid

down by State Higher Education Council Act.

(xii) 'Government' means the Government of Jharkhand.

(xiii) "Apex Regulatory Institutions' means the regulatory Institutions created by the Act of

Parliament for the governance of institutions of a particular nature.

(xiv) "Statutes', "Ordinances', "Regulations' of a university means the Statutes, the Ordinances, and

the Regulations issued under the respective Acts of a University.

(xv) 'Regulations' of the Council means the regulations made by the State Higher Education Council,

(xvi) 'Rules' means the rules made by the State Higher Education Council,

(xvii) 'AISHE' means the All India Survey on Higher Education initiated by the Ministry of Human

Resource Development, Government of India,

(xviii) 'NAAC means the National Assessment and Accreditation Council, established for rating the

"quality status" of a particular higher education institution.

(xix) 'MIS'(Management Information System) means management information systems to provide

efficiency and effectiveness of strategic decision making.

3. Constitution of the Council:

(i) The Government may by notification, constitute, with effect from such date as may be specified

therein, a council to be called the Jharkhand State Higher Education Council.

(ii) The Council shall be a body corporate having perpetual succession and a common seal and

shall by that name sue and be sued.

(iii) The Council shall have the power to acquire and hold, both movable and immovable property

and subject to the provisions of this Act, and the rules made there under to transfer any

property held by it and to contract and to do all other things necessary for the purpose of this Act.

(iv) The headquarter of the council shall be located at Ranchi.

4. Responsibilities and functions of the Council:

(i) The Council shall have the following responsibilities and functions, namely:-

(a) Torender advice to the Government, State Universities,Private Universities, and other

institutions of highereducation in the state:

(b) to coordinate the roles of the Government, StateUniversities, Private Universities, and

ApexRegulatory Agencies in higher education within thestate;

(c) to provide common facilities in higher educationwithout impairing upon the autonomy

of otherinstitutions of higher education;

(ii) For the furtherance of the above responsibilities and functions, the Council shall specifically undertake the following:-

(a) formulate and evolve State Higher Education plan(SHEP) for the development of

higher education,*suomoto* or on the Government suggestion or from

request from State Universities or other Institutions;

(b) provide support to State Institutions and affiliatedinstitutions for formulation

production of their plansand implementing them;

(c) monitor the implementation of State Higher EducationPlan;

(d) compile and maintain periodic statistics at state andinstitutional level and assist in

All India Survey on Higher Education (AISHE);

(e) create and maintain Management Information system;(MIS);

(f) evaluate Institutions on the basis of norms developedby national level higher education agencies;

(g) suggest improvements in curriculum and syllabusaccordance with the changing societies and

academicrequirements and maintain quality of curriculum;

(h) to ensure quality of examinations and suggest reforms in examination;

(i) undertake necessary steps for establishing inter-linkage between research and learning process;

(j) protect the autonomy of state institutions and review periodically the statutes, ordinances and regulations of the Universities in the state and suggest appropriate improvement for the realization of the objects of social justice and academic excellence in education, and advise the universities or other institute of higher education on statute, ordinance or regulation formulation; (k) provide approval to setting up new institutions of higher education;

(l) suggest accreditation reforms measures in consultation with National Assessment and Accreditation Council (NAAC);

(m) advise state government on strategic investments in higher education;

(n) evolve guidelines for linkages of an academic nature between higher education institutions in the State and institutions within and outside the country;

(o) make proposals for the generation and utilization of funds with the objective of this Act;

(p) evolve general guidelines for the release of grants by the Government or any agency authorized by the government and disburse funds to the universities and colleges on the basis of State Higher Education Plan (SHEP);

(q) evolve methodology for timely transfer of the funds earmarked for the State Universities and other institution of higher education;

(r) hold discussions, conduct workshops, seminars with the objective of facilitating the widest possible consultancies with experts and stakeholders for formulating the polices and on higher education and facilitating them proper implementation;

(s) provide a forum for the interaction among the academy, industries, agriculture and

science sectors,

(t)

co-ordinate various programmes being promoted and undertaken by Central and State Government and national level apex regulatory bodies in the territory of India.

5. Composition of the council.

The Council shall consist of the following members, namely:

(i) The Chairman

(ii) The Vice Chairman

(iii) Executive Director (Member Secretary)

(iv)

The Principal Secretary, Department of Higher & TechnicalEducation; (v) Five members to be nominated by the Chancellor who are persons of scholarly pursuit, one each belonging from the field of art& culture, science& technology, civil society, industry, and vocational field.

(vi) Five members to be nominated by the Government who are persons of scholarly pursuit, one each belonging from the field of art& culture, science& technology, civil society, industry, vocational field.

(vii) Three Vice-Chancellors of the state universities to be nominated by the Chancellor in rotation of three years.

(viii) One Vice Chancellor of Private University established in the State.

(ix) One Vice Chancellor of Technical University established in the State.

(x) Two Principals of Autonomous Colleges to be nominated by the Chancellor in rotation of two years.

(xi) Three members co-opted by the Council who are persons of scholarly pursuit.

(xii) One nominee of the Government of India to be nominated by the Ministry of Human Resource Development.

6. The Chairman:

(i) The Chairman will be preferably an eminent academic or public intellectual with proven leadership qualities.

(ii) The Chairman will be selected by a committee consisting of Chief Minister, Speaker of the Legislative Assembly, Leader of the Opposition, on the basis of recommendation of short -listed candidates made by a three - member search-cum-selection committee constituted by the State Higher Education Council. The Council shall nominate two eminent academic / public intellectual with proven record while the State will nominate one person. The State nominee will chair.

(iii) The Chairman shall be appointed by the Government as whole time officer.

(iv) The Chairman will have a non-extendable term of five years or till he attains an age of 70 years whichever is earlier.

(v) The Chairman may be removed through a vote of non-confidence expressed by at least two -

third members present and voting with a quorum of three - fourth members.

(vi) The Chairman shall have the right to call for report on any matter pertaining to the affairs of the

council and offer suggestions for the improvement of the functioning of the Council.

(vii) The Chairman shall preside over the meetings of the Council and the Executive Committee.

(viii) The salaries and allowances payable to the Chairman shall be the same as that of Vice -Chancellor of

University. If he is a retired person, his pay shall be reduced to that of his pension.

7. The Vice Chairman:

(i) The Vice Chairman shall be an eminent academic administrator with proven record. In case of non-academic person, the Vice Chairman could be a professional from industry etc. with

sufficient experience in the sector.

(ii) The Government will appoint the Vice Chairman on the recommendation of a Search Committee

consisting of Chairman of the Council (as Chair) and two other members, one nominated by the

Council and one by the Government.

(iii) The Vice- Chairman will have one non-extendable term of five years or till he attains an

age of 70 years.

(iv) The Vice -Chairman may be removed by the Chairman or by the recommendation of the

Council.

(v) The Vice Chairman shall preside over the meetings of the Council in the absence of the

Chairman.

(vi) The salaries and allowances payable to the Vice Chairman shall be the same as that of a

Professor of a University. If he is retired person, his pay shall be reduced to that of his pension.

8. The Executive Director:

(i) The State Project Director of Rashtriya Uchhtar Shiksha Abhiyan will be *ex officio* Executive

Director of the Council.

(ii) The Executive Director will be the Member Secretary of the Council and shall be responsible for coordination of the functioning of the council,

(iii) The Executive Director shall exercise such other pauses and perform such other functions as may be prescribed.

9. Officers of the Council:

The following shall be the officers of the Council namely:-

i. The Chairman

ii. The Vice Chairman

iii. The Executive Director,

iv. Administrative Officer

v. Finance Officer

10. Administrative Officer:

(i) The Administrative Officer shall be a whole-time officer ofthe Council and will be a person on deputation fromUniversity.

(ii) The Administrative Officer shall be a person having at least fifteen years experience in teaching in a college or post graduate department of university and at least five years experience in University administration.

(iii) The Administrative Officer shall be appointed by the Council.

(iv) The Administrative Officer shall be in charge of general administration and shall exercise such powers and perform such duties as may be assigned to him by the Chairman.

(v) The Administrative Officer shall be entitled to receive deputation allowance over and above his pay and allowances which he was drawing in his parent University.

11. Finance Officer:

(i) The Finance Officer shall be a whole-time officer of the Council and will be a person on deputation from University.

(ii) The Finance Officer shall be a person having fifteen years of teaching experience and financial administration, and sound knowledge of accountancy, auditing and budgetary procedures.

(iii) The Finance Officer shall be appointed by the council.

(iv) The Finance Officer shall be In-charge of Accounts Department and will be responsible for maintaining the accounts of the council and shall exercise such powers and perform such duties as may be assigned to him/her by the Chairman.

(v) The Finance Officer shall be entitled to receive deputation allowance over and above his pay and allowances which he was drawing in his parent University.

12. State Project Directorate (SPD):

The State Government will constitute a State Project Directorate with following composition.

(i) Composition: The SPD will consist of State Project Director and such adequate support staff as may be required for the effective functioning of the State Project Directorate.

(ii) Functions: The SPD will perform the following functions-

*Overseeing project implementation at the State level;

*Maintain statistical data and MIS report; and

*Engage Project Auditors as required.

13. Technical Support Group:

(i) The State Higher Education Council may appoint a Technical Support Group consisting of experts.

(ii) The composition of the Technical Support Group will be decided by the Council.

(iii) The function of the Technical Support Group will be to (a) monitor flow of funds and information, (b) generate MIS reports as required, and (c) provide operational support to the Council.

14. Terms and Conditions of nominated members:

(i) Each nominated and co-opted member will normally have a term of six years, provided that one - third of the members will retire every two years on the basis of age, and the vacancy will be filled by the Chancellor, if the retiring member is Chancellor's nominee, or by the Government, if the retiring member is a Government nominee, or by the council, if the retiring member is a co-opted member.

(ii) At any point of time, twenty members of the Council should be from the state and five members must be individual of national eminence (outside the State).

(iii) The nominated and co-opted member may by writing under his hand addressed to the Chairman of the Council resign his membership but he/she shall continue to remain member until his/her resignation is accepted in writing by the Chairman of the council.

(iv) The nominated and co-opted member shall be eligible for such rate of travelling allowance, daily allowance and sitting fee as may be prescribed.

(v) Subject to the provision of this section the other terms and condition of the service shall be such as may be prescribed.

15. Disqualifications

(i) No person shall be qualified for nomination or to continue as a member of the Council, if on the date of such nomination he is:

(a) of unsound mind;

(b) adjudicated as an un-discharged solvent;

(c) sentenced by a criminal court to imprisonment for anyoffence involving moral turpitude;

(d) directly or indirectly by himself or his partner has anyshare or interest in any work done by order of, or inany contract entered into on behalf of the council;

(e) a person who has been terminated from anyGovernment or University Services on grounds ofmisconduct or negligence.

(ii) In case of dispute or doubt as to whether a person is disqualified under sub-section (1) the decision of the Chairman shall be final.

(iii) Save as otherwise pointed in this Act, no person who is not a graduate of any University established by law shall be eligible for nomination as a member of the council under this Act.

16. Meeting of Council:

(i) The Council shall meet as often as may be necessary at such time and place and observe such rules of procedures as may be provided in regulation, but it shall meet at least once in three months.

(ii) It shall have the power to act, not withstanding any vacancy is the membership or any defect in the constitution thereof, and the proceedings of the council shall be valid not withstanding that some person, who was not entitled to be a member, had attended, or otherwise had taken part in the proceedings of the council.

(iii) The meeting of the Council shall be convened by the Executive Director on the advice of the Chairman.

(iv) The quorum of the meeting of the council shall be one third of the total members of the council and division may be taken in the meetings by simple majority of those present and voting.

17. Staff of Council:

The Council shall appoint such number of employees as may be necessary for the efficient performance of its functions. The terms and conditions of service of the employees of the council shall be such as may be provided in the regulations.

18. Funds of the Council:

(i) The funds of the Council shall include all sums which may, from time to time, be paid to it by the Government and all other receipts including any sum from the Central Government, or any other authority, institutions or persons.

(ii) The Government may pay to the Council every financial year such sums as may be considered necessary for the functioning of the council and for the discharge of its responsibilities and duties.

(iii) All expenditure incurred by the Council under or for the purposes of this Act shall be defrayed from out of the fund and any surplus remaining, after such expenditure has been met, shall be invested in such manner as may be prescribed.

19. Annual Accounts and Audit:

(i) The accounts of the Council shall be maintained in such manner and in such form as may be prescribed,

(ii) The Council shall prepare an annual statement of accounts in such form and in such manner as may be prescribed,

(iii) The accounts of the Council shall be audited once in a year by such auditor as the Government may appoint or depute in this behalf,

(iv) The Executive Director to the Council shall cause the annual audit report to be printed and shall place such report before the council for consideration at its next meeting,

(v) The Council shall take appropriate action forthwith to remedy any defect or irregularity that may be pointed out in the audit report,

20 झारखÖडगजट(असाधारण) बुधवार,25 मई,2016

(vi) The accounts of the Council as certified by the auditor together with the audit report along with the remarks of the Council there on shall be forwarded to the Government within such time as may be prescribed.

20. Annual Report:

The Council shall prepare for every year a report of its activities under this Act during that year and submit the report to the Government.

21. Members and Staff of the Council to be public servants:

The Chairman, Vice Chairman, Executive Director, Member, Officers and Staff of the Council shall be deemed, when acting or purporting to act in pursuance of any provisions of this Act or any rule or regulations or order or direction made or issued under this Act shall be deemed to be public servants within the meaning of section 21 of the Indian Penal Code (Central Act XLV of 1860).

22. Power to make regulations:

The Council with prior approval to the Government may make regulations not inconsistent with the provisions of this Act and rules made there under for carrying out all or any of the purposes of this Act.

23. Power to make rules:

(i) The Government may, by notification, make rules, for carrying out all or any purposes of this Act.

(ii) Every rule made under this Act shall be laid as soon as may be after it is made before the state legislature whole it is a session for a total period of fourteen days which may be comprised in one session or in two successive sessions, and if, before the expiry of the session in which it is so laid or the session immediately following, the Legislature Assembly makes any amendment in the rule or decides that the rule should not be made, the rule shall, thereafter have effect only in such form as amended or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such amendment or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

24. Power to remove difficulties:

(i) If any difficulty arises in giving effect to the provisions of this Act, the Government may, by order, as occasion may require, do nothing not inconsistent with the provisions of this Act which appears to them to be necessary or expedient for the purpose of removing the difficulty.

(ii) Every order issued under the sub section (1) shall, as soon as may be after it is made laid before the legislative Assembly.

झारखÖड राÃयपाल के आदेश से,

Ödनेश कुमार िसंह,

Ĥधान सिचव-सह-ŏविध परामशŚ

ŏविध (ŏवधान) ŏवभाग,

झारखÖड, राँची।

झारखÖड राजकãय मुġणालय, राँची ƨारा Ĥकािशत एवं मुÖġत, झारखÖड गजट (असाधारण) 366—50 ।